

14 मेरे विश्व मातृ दिवस' 90 मेरी 94 मे मातृ वंदना सप्ताह उत्तमवारी

न्यूज आई ग्रांडीगंगर, ज़िले इवियाद

साहित्य संगीतनु विष्णु

NOG १४ मे २०२३

संपादक: प्रदीप रायपत्र, मोनाकी रायपत्र

अंकित: शशुभास्कर, कॉलिका शास

"मा एक ऐसु वर्तवक्ष के ज्याया जंगावात पशा निरंतर नो श्वास ले छे"

माने पत्र.

वहाँ मा,
तारी लाडीना वहाँ भर्मा प्रधाम.
मोबाइलों संसाधा बोक्सनारी हुं, पत्र वाख एवेट
नवारी लाजा ने! मा, मे ज्येष्ठे कुटरी नजारानु वर्जन
पत्रमां स्थवरायेवु रेहें, भन थाय त्यारे वांची लेवाप.

लीला उरियाला, पांडी चुकानां अंक उज्जानी नदी के पलाहे परथा पछायां
धैं, वारु उत्तरां वहाँ जारी, लीला पार्थी आच्युतित वृषी लोही उडीये
के, वारु हुटरात! परंतु आजे तने जेन्नी अलग हुटरी सोदर्नी वार जावावु.
पत्ते भरी गयेवां एवं वारु सुखावू दूसू पत्र ज्वां ज्वां, पांडी आच्युतित वृक्षी
गालीओ ज्वां न मों, एक वेवर वाक ज्वां देखाय, ज्यारे पर्व न दोहान फ्रांको फैलायेला
गालीओ ज्वां मारी, मा, शु तात कंड? आ गालीओ ज्वां, प्रेमी एनी ग्रेमिक्रो लाथ
फैलाया आविंग, आपा आतुर लोय एवी आ ग्रांटों देखाय. क्वेट्वां वृक्षी
गालीओ वपनां ग्रेवां लोय त्यारे नुत्यं करती लोय एवु वाग. हुं तो दंग थरी ज्वां ज
रवी.

नदी उन्नारे गर्ही तो उत्तरावू करती घोडी नदी कोई घोडीनी जेम शांत, सीध्य
पोतानी मस्तीनां बीम बीम भंजिव ध्रपती होय एवु लागे एने ज्वां ज हुं दंग दंगो
अहेसास थाय. भन शांत थरी ताज्जा अनुभवे. सागानां वृक्षी पार्थी भरी ज्वां ज
सरहेड उत्तरावू नेंनी अलग हुटरी सोदर्नी वार जावी. वासनां नुत्यं पत्र न होइ उं के अने
एन्नावू नमी ज्वां, ज्वां वांची नमन करती लोय. लेहेतो पत्र ज्वां वांची वांची।
मधुर रेहेतो लोय त्यारे नुत्यं लोय एवु वाग. हुं तो दंग थरी ज्वां ज हुं

विव.
तारी लाडीना प्रधाम.
विष्णु देवार्थ वासवादा विलामोरा.

मा

बापाना हैमांमा तो प्रेमो सागर होय छे. एक क्षा
अनुसार तुम्हारु अंना ज्वानाना अंतिम लास भरतो हो,
त्यारे हुमायुना तुम्हाना बाबेतो पोतानी
ज्विद्गाना बदवालाना द्वाकरी ज्विद्गाना भांगी लावी. आ
पिताना एमीनी चरमसीमा हत्ती. हुमायुना लाईवाल
बापानीओ अंना रस्ता मोंहे ठालाज लाज्जों क्वां होय. आ सरेदाना करता मोंहु अमुत
बाल्हु अंनी नदी.

आपासो ज्वां अन्नावू त्यारे ज्वां अपासो नदी ज्वां ज
दम तोपावां लोय छे. आपासो एने गेवी लोय के पक्का ए
मधुर नहोती के आ होस्त्रियल पत्र दाउद्वाराने
बाचावी शेक एम नहोती.

सुखुलबेन विष्णु दाउद्वाराने लाईने आवां त्यारे एमेने
भजर नहोती के आ होस्त्रियल पत्र दाउद्वाराने
बाचावी शेक एम नहोती.

सुखुलबेन दाउद्वाराने लाईने पोताना गाम ठावोल
पाणी फ्लॉ दाउद्वारानी

दम्हस भोडरमा हिव्से रसुखुलबेनने सात बापाओ आपी आ ज्वानी हुनिया अंनी
चाया चाया.

आ सात लाङोमां चार द्विका अने रात्र द्विकीरो. दाउद्वाराई मकान भानवावाना
जोन्ट्रोक्ट रहत. ए समये बचानो ज्वान उधारी पर चालत. ज्वानी पासे दाउद्वाराई पैसा
मोगता लास ए लोको लाङु हुंकरी लावु. पत्र ज्वां दुर्द दाउद्वाराई लावुहु रहतु, ए
लोको रेझ रसुखुलबेनां धरे उधरावाली क्वां आवां लावां. बावेस वरसनां विष्णु रसुखुलबेन
नानाना नानां बाजको अने सगा वहाँवां वरी शु रहे? दित पूरी लायां भेतर ज्वानु ज्वाल
दहुँ.

आ बागांकोमां नसीरावाई सौधी भोटा, पत्र ज्वानोर्मल हता एटेवे नसीरावाई
रसुखुलबेन साथे भेतरमानो ज्वां भर्ती लावु. ए पत्र ज्वां दुर्द दाउद्वाराई लावुहु रहतु,

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली, भेत मारे ज्वानी लावोवो, दूष दोही
दूष देखामो पदोन्हावां आ लाङां ज्वां रहे रात्री ज्वां रहे एवु अर्पण पत्र ना पै.

सुखुलबेन एक वात सारी छ सारो लोय के ज्वानी लाय छे. ए द्विका अमदावाल
जोवाजामां भज्वावा गया. ज्वान झामासिस्ट भन्या. एक होल्डिंग अन्नियन्पर भन्यो.

सुखुलबेन धरे वूह रही त्यारे समझ ना पै. एक द्विको तो अमेस्ट्रियां स्थापी रही
गया. एक होल्डिंग नानांगर अने एक होल्डिंग ग्रामां ज रहो. हुं त्यारे सुखुलबेन ज्वान नाना

नानां रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावां. एक होल्डिंग नानां रसुखुलबेन
नानां नानां ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

मेतामो ज्वानी ज्वां रहती, रसमां भेते राजोवाली ज्वानी लावो अने एक्को रही त्यारे
ज्वानी रसुखुलबेन एक्को रही त्यारे ज्वानी लावो.

14 मे "विश्व मातृ दिवस" १० मे थी १४ मे मातृ वंदना सप्ताह उत्सव

नमू ओँ गांधीनगर जन इश्वर
NOG
साहित्य संगीतनु विश्व
गा
१४ मे २०२३
संपादक: प्रधान राजभास्मानी रावल
"मा एक अेक अंतर्वक्ष के ज्या ज़मावात पश निरोत नो श्वास ले छ "

मा

ज्वननी पाटीमां शब्दो सारा ने साचा पर लगाए, बाजु कंठ ना सुने त्यारे प्रथम अकर भा पर लगाए, लगाए पिता पर पश लगाए, लगाए भाता पर पश लगाए, स्नेही ने संबंधी साचे जननी जनता पर लगाए . लाड लगाया भन मूरीन लगय अनें हा पर लगाए, रोकया खोया रसें ज्वाना साद अनी ना पर लगाए, ज्वन मूरीन लगय आप अनें हा पर लगाए, और अपूर्ण ने पाठ इरने पेट भरी आप भाता पर लगाए . शरदी खोती , नाव नियो ज्यारे ज्यारे के के अच्यु, औपूर्ध साचे अंडे राखें आपी आपा पर लगाए . श्रद्धांजलि, गीतापाठ, गरुडुराश बहुये सारु, ए वरत वीर्या केनु छे, हाजर ए मोक्ष पर लगाए . ज्वननी पाटीमां शब्दो सारा ने साचा पर लगाए, बाजु कंठ ना सुने त्यारे प्रथम अकर भा पर लगाए . -टिवीरिंग पुवार (शेष)

**गीत.....**

(मा) ने वाच्या पडी थी पुकेट लागे रे . कागणियु. स्वप्नसे जेन छोंगी आ नाभिनी ते सिंगु. माने... आपायु विश्व वांचवानो जेन दीगो छे अवसर. कडो लगायती थी जेन झर्ने खर्ने पूँजे पूँजे. साव मीहु शीखवावी ने स्वरनु लाहु तियु. माने... अंज नाडी खडकेहु के ए 'माजे घोये दीपी. अमेय पडी तो नस्केनेशमां अनलदता थी पीपी. सरता जेन आवी अतु आंघोमां ज़ज़जियु. -टिप्प लेख

**'मा'**

जग आपु अवे ज्य रुडी...मा तु केम रुडी...? येता छुटीने ननामी तारी लिडी...मा तु केम गायल छे आज..! कहे छोक्स.. के अर्थी तारी लिडी... तारा लाक्यायामे दोक्स पूँजे भारा लाव..? दियोजना अंगारे दोक्स कर्से भने लाव..? मा तु केम..! देहु फुन्ही अही सधारे छे स्पार्हा... धर्या पर अंक भा तु ज छे परमार्थी...मा तु केम..! तारा लाक्स भार घोये रोपी... मेलो-वेलो पावत तारा सउलानो शोपी...मा तु केम..! नानागीनी याहो नथी तने सतावनी..? झुक्कां मारो केम तु नथी सांभाती..? मा तु केम..! मा तु छे सधारी मारी आपा... व्यापी छे आ जगमां भने निराशा...मा तु केम..! लोक कहे के आ जगत छे गोण-गोण... गोणमय शोहुं छु खूजो, थर्दी अोण-पोणी..मा तु केम..! मानोम युरीन शोहुं हु तारी भामोशी... थाय छे केरे केरे भा विहोली नामोशी..मा तु केम..! ज्वतरने भेजांगो खोदांता भानी सरखवी... मन मारे तु ज छ महान घडतरी फूटी..मा तु केम..! अथातां झूटांता तारा नामे भानी खुप लस्ती... दिनहुण्यामो भानाने नारीना आसु पोचावु... तारी यादमां एक उग्लु नित काहुं...मा तु केम मौन छे आज..! -दो. सुरेशभाई पटेल."स्मृत"

**'मा' नो माहिमा**

एक ज अकर अजर-अमर छे, एक ज मंत्र छे - 'मा', माताना लावन-पालनमां सो पामे छे शाता, माताना आपान च्यु ज्य अप विचाता. एक अकरनो भान 'मा' छे नाम, पश छे मेहमा मोटो, 'मा' गो ज्ञान अहन अहो, एनो झांगे अहो ना लेवो. 'मा' नी मंडें... शी छिद्गो छे आपाकी, आ मंडेंकी गडें... कोई शु समझे ? धर-धर तांत्रो लक्षकर छे.... 'मा', मुंजायेली, गंधायेली, विभायेली, विट्क्षेपानो विश्वास छे.... 'मा', दुनियामो लधा जेन समझ नवी शक्षा, ए दुनियानो ज्वाब छे..... 'मा'. होय अवे लधा संबंध ज्वनमां, पश... आ एक ज संलेख छे अनेऽ, 'मा' नी छत्रायामो अक्लय छे नजारो, चरमां 'मा' ना तीर्थाम छे हजारो... -उपानेन सोलेकी (नवसारी)

**१. बानो साहदो**

पूँजी पुरुषामां, खर्खु रे भर्मो... २. ल्लाली दीर्दी बापानो पड़ग्रामो मानी ग्रिमा... ३. आपानो हर्म ज्वलानी क्षमता अहमूत भा... ४. हेयानी वात मुक्कानु लोक्ते शरेष्ठी... ५. तारी ज्युवानी भावत भेदो अमेरिका



मानी अधीराईरी राह लोइ छु, दीक्षना शीनो अने तरत याह आवी अय छे, मारी भा, मने ल्लो, भगवा, तलसती, मारी भा, भुं पडनु मुक्की, बानी साथे मनभीने लागो छर्न छुं, साव सादा मायामु शब्दो आप ले, अने बिल्लाई शु छु लेतनी देवीमां, तेम नहीं? लेवे एक भा राज राज राज राज छे... रेखानेन भहु (गांधीनगर)



लाशीनु विश्व भान तु, विलयमां तु ज छे. तु ज तारं लायी क्षक्षा थर्दी तूटी ग्यो, चेत्यो तो मै तने शान्ता क्षदयमां तु ज छे. -ईचरी ओंकर-“ईश” (अमदावाद)

वारा सिवाय मारे शोई नथी रे लोल.

मान तु सारु सगप्ता छे मां,

क्षरभनी देली मारी उत्ती रे लोल.

मने आंगणी लाली राह भतावती रही.

मानेंगी लाली राह भतावती रही.

उग्लेने पगले अंडो संभालती रही.

दुनियाना रंगमां मुने रंगावती रही.

प्रेमनु ज सारु गणपत छे मां,

क्षरभनी देली मारी उत्ती रे लोल.

ते तो दिवसने रात क्यारेय जोया नथी.

ते आंगोथी सपना कोई द्वा खोया नथी.

तने लसती भाजीने अमे तो रोया नथी.

ते तो ऊरुग्रा जीवा अने खोया नथी.

ऐतु तु सारु वगणा छे मां,

क्षरभनी देली मारी उत्ती रे लोल.

-दिवा मंडली (अमदावाद)



मा एटेले मा एटेले मा छे

मा एटेले मा एटेले मा छे. अनुपम, अविरत, अविनाशी आ छे

मा एटेले मा एटेले मा छे.

हा

आ मारी मा छे.

ऐनो क्यां कोई द्वा ना छे,

हा, ए मा छे

हा, एटेले ज ने मा छे

जीवी होय सोनी,

ऐवी ज आ छे

बापां अनेक प्रकार-स्वभाव,

मा तो, सोनी सरभी, मा छे.

सवारे उठाना, राते सूता

बस भाष्टोनी रात छे.

जग आपु विकारे त्यारे ने तो ४,

संतान माटे ऐनो खुंगे संटैव वाह छे.

क्षप्यक्ष पासे तो मांगतु पे,

मा नां खोये 'जग वैन्यमानी

हंसेनानी ला छे.

मा एटेले मा एटेले मा छे

देह मां थी देह आपी प्रगतावती तु,

लाङ्की ने आवीअे त्यारे हुंक आपाती तु,

घरे घरे बिराजती प्रभु नो अवतार तु,

यमराज ने पश व्रेशनानी ला छे.

मा एटेले मा एटेले मा छे.

पती, पिता, बापाको, बंधु-भजिनी-मित्र-गुरु-देव,

आ भाधाने वटानी,

सर्वपरी सेवक ए आ छे.

हा, ए मा छे.

मा एटेले मा एटेले मा छे

नबांगु बाणक वंगु गमे,

ऐने क्यां कोई वहेवारीक परवा छे.

एटेले ज

मा एटेले मा एटेले मा छे

तु देवी, तारू नाम ज हरदेवी,

तारां पालव मां दुःखो सो स्वाला छे.

मा एटेले मा एटेले मा छे

तमे एकलां क्यारेय नहीं लो जग महीं,

जो तमारी पास लो मा व्यात,

डे दिवंगतनी प्रतिमा छे.

हा,

आ मारी मा छे.

हा, ए तमारी मा छे.

ऐनो क्यां कोई द्वा ना छे

हा, एटेले ज ए 'मा' छे.

हा, आ मा छे.

'हेतु विनानां डेत' ए 'आ' छे.

मा एटेले मा एटेले मा छे.

-मिताल भेताखी



न्यूज ओफ गांधीनगर
हैनिक
साहित्य संगीतनु व

